वेदाध्ययनम्/वेद अध्ययन

(३४५)

शिक्षकाङ्कितमूल्याङ्कनपत्रम्/ शिक्षक-अंकित मूल्यांकन पत्र

पूर्णाङ्कः/पूर्णांक – २०

निर्देशः - i) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारं समक्षं सर्वे अङ्का निर्देशिताः।

ii) उत्तरपुस्तिकायाः सम्मुखे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या शिक्षणकेन्द्रस्य च नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश - i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अङ्क सामने दिए गए हैं।

ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, अध्ययनकेन्द्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। **२x१=२**

(क) षड्दर्शनेषु वेदस्य प्रामाण्यं प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः-१)

(ख) ऋग्वेदे दार्शनिकसूक्तानि इति विषयम् आश्रित्य लघुटिप्पणीं लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः-२)

किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।

(क) छः दर्शनों में वेदों की प्रामाणिकता सिद्ध करें। (देखें पाठ-१)

(ख) ऋग्वेद में दार्शनिक सूक्तों के विषय पर एक लघु टिप्पणी लिखें। (देखें पाठ-२)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। **२x१=२**

(क) ऋग्वेदीयदशममण्डले देवगतवैशिष्ट्यं स्वभाषया लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः-२)

(ख) सामशब्दस्य किं तात्पर्यं? संक्षेपेण लिखत| (द्रष्टव्यः पाठः-३)

किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।

(क) ऋग्वेदीय दशममण्डल में देवगत वैशिष्ट्य अपनी भाषा में लिखिए। (देखें पाठ-२)

(ख) सामशब्द का क्या तात्पर्य है? संक्षेप में लिखिए| (देखें पाठ-३)

3. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत।** **२x१=२**

(क) 'सुबामन्त्रिते पराङ्गवत्स्वरे' इति सूत्रं व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-८)

(ख) 'स्वरितात्संहितायामनुदात्तानाम्' इति सूत्रं व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-९)

किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।

(क) 'सुबामन्त्रिते पराङ्गवत्स्वरे' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-८)

(ख) 'स्वरितात्संहितायामनुदात्तानाम्' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-९)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं १००-१५० शब्देषु लिखत। **४x१=४**

(क) 'इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्रवोचम्' इति मन्त्रं प्रपूर्य व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-१६)

(ख) 'सहस्रशीर्षा पुरुषः' इति मन्त्रं प्रपूर्य व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-१८)

किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए।

(क) 'इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्रवोचम्' यह मन्त्र को पूरा करें तथा उसकी व्याख्या करें।

(देखें पाठ-१६)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(ख) 'सहस्रशीर्षा पुरुषः' यह मन्त्र को पूरा करें तथा उसकी व्याख्या करें। (देखें पाठ-१८)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं १००-१५० शब्देषु लिखत। ४x१=४

(क) पुरुषस्य कस्माद् अङ्गात् किम् उत्पन्नम् इति मन्त्रानुसारेण व्याख्यात। (द्रष्टव्यः पाठः-१८)

(ख) श्रद्धासूक्तानुसारेण श्रद्धया किं किं भवतीति वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः-१९)

किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए।

(क) पुरुष के किस अंग से क्या उत्पन्न हुआ है - मन्त्र के अनुसार बताइए। (देखें पाठ-१८)

(ख) श्रद्धासूक्त के अनुसार श्रद्धा से क्या क्या होता है - वर्णन करें। (देखें पाठ-१९)

6. अधोलिखतयोः कमपि विषयमाश्रित्य परियोजनाविवरणं ५०० शब्देषु लिखत। ६x१=६

(क) हिरण्यगर्भसूक्तदिशा हिरण्यगर्भस्वरूपं वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः-१७)

(ख) विष्णुसूक्तस्य मित्रावरुणसूक्तस्य वा सारं स्वभाषया वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः-२०)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजनारूप में विवरण ५०० शब्दों में लिखिए।

(क) हिरण्यगर्भ सूक्त के अनुसार हिरण्यगर्भ के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-१७)

(ख) विष्णुसूक्त या मित्रवरुणसूक्त का सार अपनी भाषा में वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-२०)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279